

Revolt of 1857

(First war of Independence)

1857 का विद्रोह
(प्रथम स्वतंत्रता संग्राम)





- **The revolt of 1857 was the first large-scale armed uprising against British rule./ 1857 का विद्रोह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला बड़े पैमाने पर हथियारबंद विद्रोह था।**
- **Also known as / इसे इन नामों से भी जाना जाता है :**
 - ✓ **First war of Independence/ पहला स्वतंत्रता संग्राम**
 - ✓ **Sepoy mutiny/ सिपाही विद्रोह**
 - ✓ **Indian mutiny/ भारतीय विद्रोह**
- **Start / शुरुआत : 10 May 1857, Meerut**
- **Symbolic leader : Bahadur Shah Zafar (last Mughal Emperor)/ प्रतीकात्मक नेता : बहादुर शाह ज़फ़र (आखिरी मुगल बादशाह)**



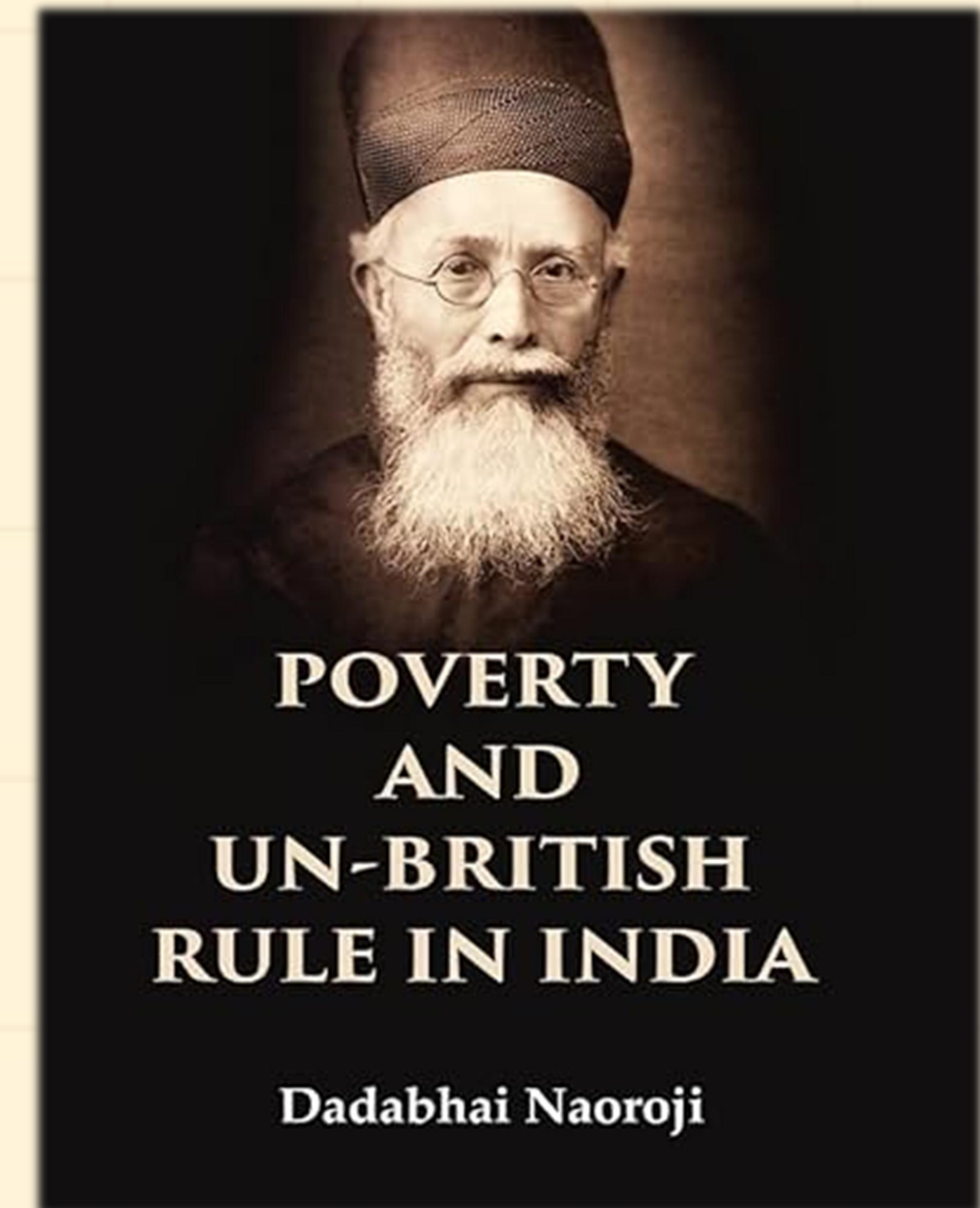
Causes of the Revolt / विद्रोह के कारण (A) Political Causes/ राजनीतिक कारण

1. **Doctrine of lapse** : Introduced by Lord Dalhousie, it annexed states without heirs, like Satara, Jhansi, and Nagpur./ लॉर्ड डलहौजी ने इसे शुरू किया था, इसने सतारा, झांसी और नागपुर जैसे बिना वारिस वाले राज्यों को अपने में मिला लिया।
2. **Annexation of Awadh**: Taken in 1856 for "misgovernance," sparking local resentment./ अवध पर कब्जा: 1856 में "खराब प्रशासन" के लिए इसे लिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा फैल गया।
3. **Disrespect to Rulers.**/ शासकों का अपमान।
4. **Loss of Privileges**: Landlords, zamindars, and princes lost estates, alienating the elite./ विशेषाधिकारों का नुकसान: जमींदारों, ज़मींदारों और राजकुमारों ने अपनी जायदाद खो दी, जिससे अमीर लोग अलग-थलग पड़ गए।
5. **Exclusion from High Positions**: Indians were denied key civil and military roles, frustrating the educated and ruling classes./ ऊँचे पदों से बाहर रखा जाना: भारतीयों को ज़रूरी सिविल और मिलिट्री भूमिकाएँ नहीं दी गईं, जिससे पढ़े-लिखे और शासक वर्ग निराश हो गए।



(B) Economic causes / आर्थिक कारण

1. **Drain of Wealth./** दौलत का नुकसान।
2. **Destruction of Industries./** इंडस्ट्रीज़ का खत्म होना।
3. **Agricultural Exploitation./** खेती का शोषण।
4. **Famines./** अकाल।
5. **Widespread Poverty./** बड़े पैमाने पर गरीबी।
6. **Land Revenue Policies./** भूमि राजस्व नीतियाँ।
7. **Loss of Aristocracy (British reforms displaced zamindars, leading to instability and resentment.) /** अमीर लोगों का खत्म होना (ब्रिटिश सुधारों ने ज़मींदारों को हटा दिया, जिससे अस्थिरता और गुस्सा बढ़ा।)



Social & Religious Causes सामाजिक और धार्मिक कारण

1. **Racial Discrimination.** / नस्लीय भेदभाव।
2. **Religious Interference.** / धार्मिक दखल।
3. **Disruption of Social Order.** / सामाजिक व्यवस्था में रुकावट।
4. **Loss of Religious and Social Prestige.** / धार्मिक और सामाजिक प्रतिष्ठा का नुकसान।
5. **Missionary Activities.** / धर्म प्रचार गतिविधियाँ



Military Causes / सैन्य कारण

1. **Indian sepoy's paid less salary than British soldiers./ भारतीय सिपाहियों को ब्रिटिश सैनिकों से कम वेतन मिलती थी।**
2. **Rare promotions for Indians./ भारतीयों को बहुत कम प्रमोशन मिलते थे।**
3. **Harsh discipline and poor working conditions./ सख्त अनुशासन और काम करने के खराब हालात।**
4. **General Service Enlistment Act (1856) – overseas posting, considered loss of caste./ जनरल सर्विस एनलिस्टमेंट एक्ट (1856) – विदेश में पोस्टिंग, जाति का नुकसान माना जाता था।**

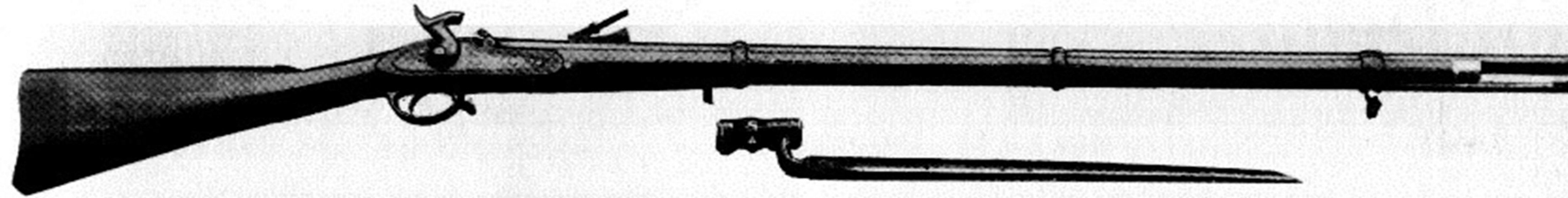


Immediate Cause / तत्काल कारण

- **Introduction of Enfield Rifle cartridges greased with cow & pig fat (religious anger).** / गाय और सुअर की चर्बी लगे एनफील्ड राइफल के कारतूसों का इस्तेमाल (धार्मिक गुस्सा)।
- **Mangal Pandey fired at officer on 29 March 1857 (Barrackpore).** / मंगल पांडे ने 29 मार्च 1857 (बैरकपुर) के ऑफिसर पर गोली चलाई।
- **Sepoys in Meerut refused cartridges → punished → fellow soldiers rebelled → marched to Delhi/** मेरठ में सिपाहियों ने कारतूस लेने से मना कर दिया → सज़ा मिली → साथी सैनिकों ने बगावत की → दिल्ली की ओर कूच किया

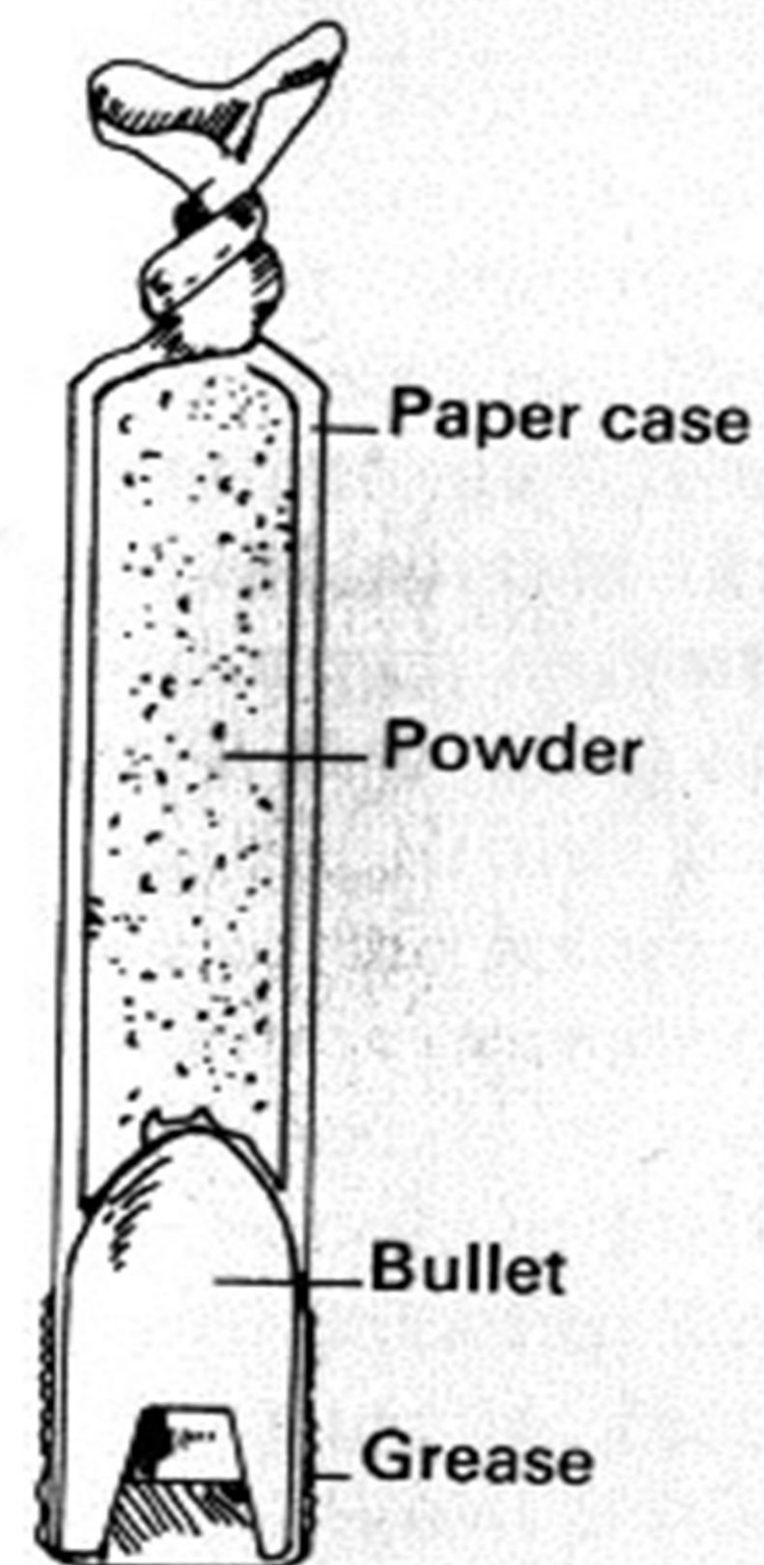


The Enfield rifle



This percussion-lock rifle was produced in the British Ordnance Factory at Enfield near London. It came into use in the British army in 1853. Shortly afterwards it was sent out for trials for the Company army in India. The 'rifling' on the inside of the barrel made the shot more accurate and gave the weapon a greater range. It was an enormous improvement on the Brown Bess smooth-bore flintlock musket which had been the standard weapon of all British forces since the early eighteenth century.

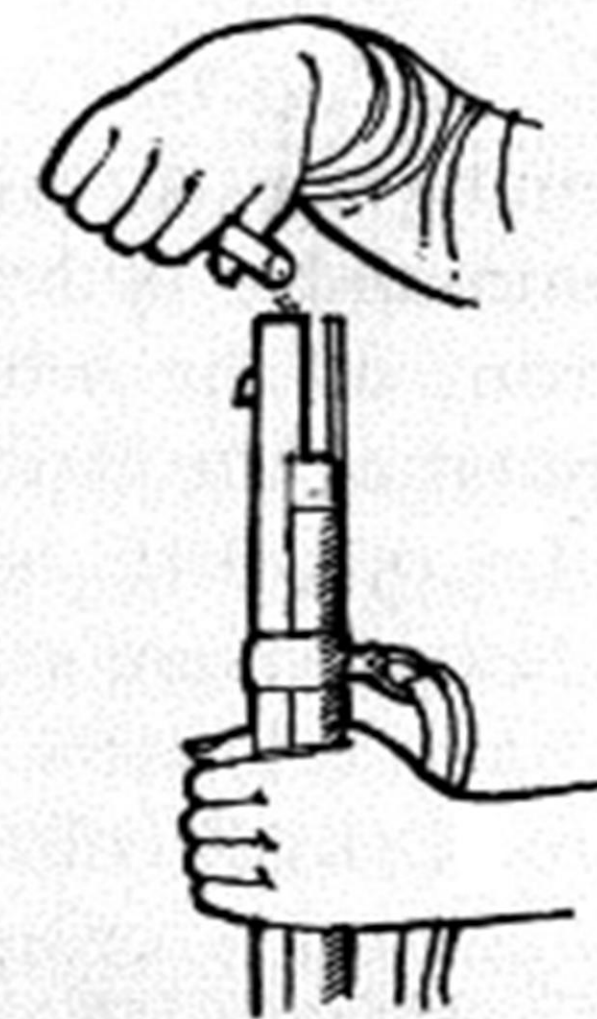
A greased cartridge



How it was loaded



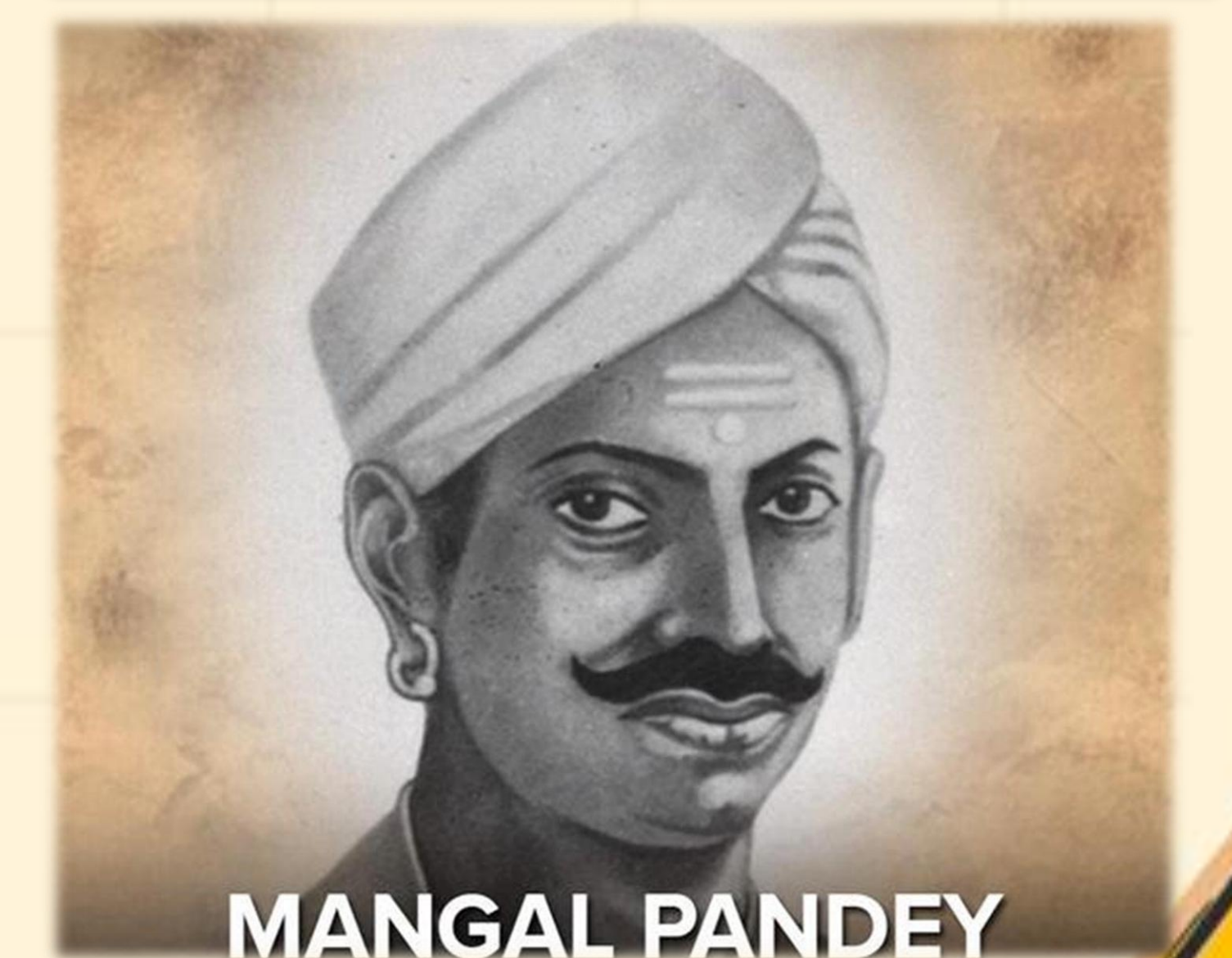
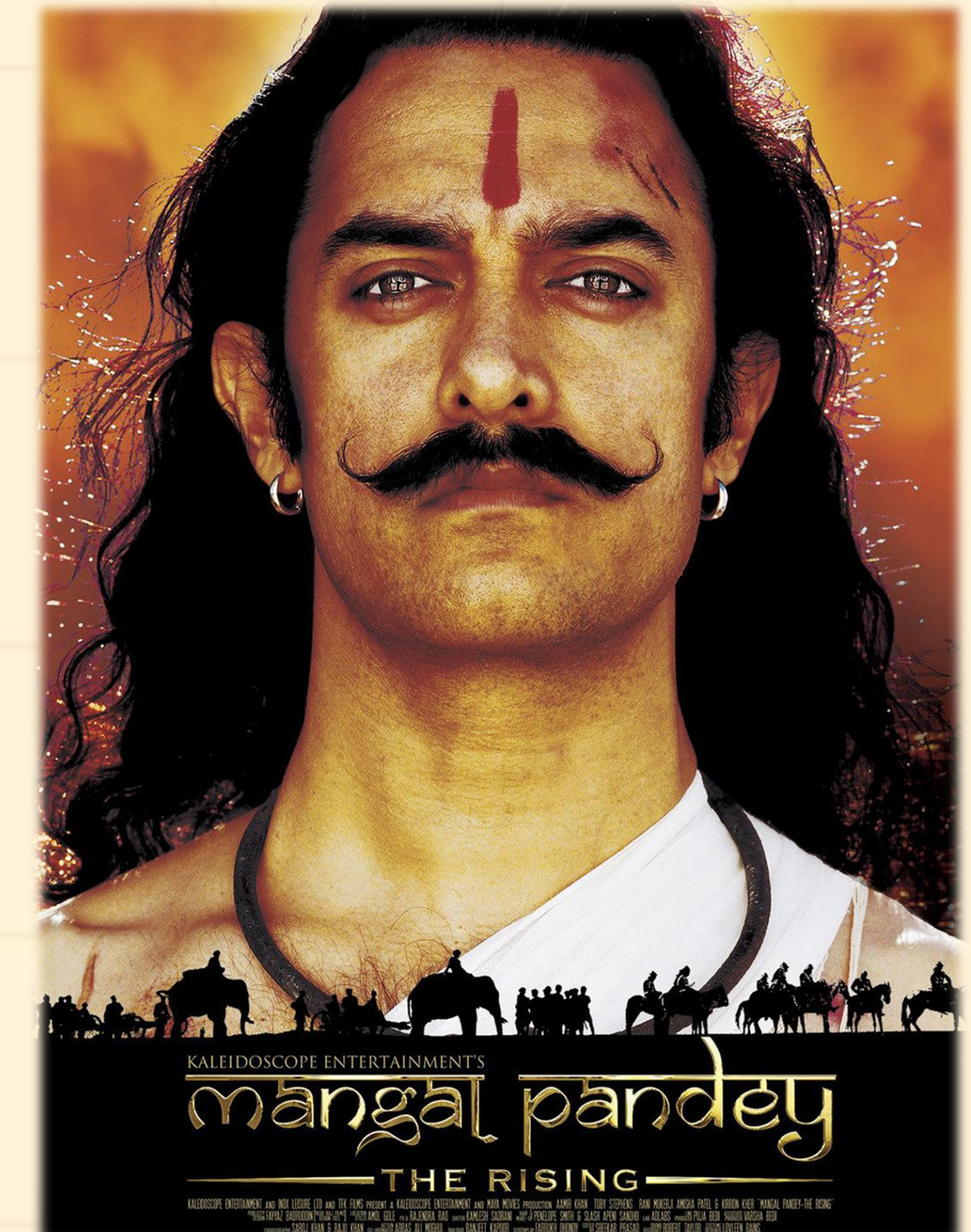
1. The soldier tears open the end of the cartridge with his teeth.



2. He pours the powder down the muzzle of his rifle. Then he thrusts the bullet, still wrapped in the cartridge paper which makes it a tight fit, into the muzzle.



3. He takes his ramrod from its slot beneath the rifle barrel, and rams paper, bullet and powder to the bottom of the barrel.



MANGAL PANDEY



Timeline of Revolt of 1857

Date	Event
29 th March 1857	- Mangal Pandey, stationed at Barrackpore, revolts against British officers and is hanged - मंगल पांडे, जो बैरकपुर में तैनात थे, अंग्रेज अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह करते हैं और उन्हें फाँसी दे दी जाती है।
24 th April 1857	Meerut Revolt : Ninety sepoy of the Third Native Cavalry refuse to use greased cartridges, leading to their dismissal. मेरठ का विद्रोह : तृतीय नेटिव कैवलरी के नब्बे सिपाही चिकने (ग्रीस लगे) कारतूसों का प्रयोग करने से इंकार कर देते हैं, जिसके कारण उन्हें बर्खास्त कर दिया जाता है।
9 th May 1857	Imprisonment of Sepoys : 85 sepoy are sentenced to imprisonment, fueling unrest in the army. सिपाहियों का कारावास : 85 सिपाहियों को कारावास की सज़ा दी जाती है, जिससे सेना में असंतोष फैलता है।



Date	Event
10 th May 1857	• Revolt In Meerut : The sepoy in Meerut and march towards Delhi, freeing their comrades and killing British officers. • The sepoy, along with civilians, march towards Delhi, declaring Bahadur Shah Zafar II as leader. • मेरठ में विद्रोह : मेरठ के सिपाही विद्रोह कर दिल्ली की ओर कूच करते हैं, अपने साथियों को मुक्त कराते हैं और अंग्रेज अधिकारियों की हत्या करते हैं। • सिपाही नागरिकों के साथ मिलकर दिल्ली की ओर बढ़ते हैं और बहादुर शाह ज़फ़र द्वितीय को अपना नेता घोषित करते हैं।
June 1857	• Nana Saheb's leadership : Nana Saheb leads the revolt in Kanpur, capturing British officers and declaring himself as the Peshwa. • नाना साहब का नेतृत्व : नाना साहब कानपुर में विद्रोह का नेतृत्व करते हैं, अंग्रेज अधिकारियों को बंदी बनाते हैं और स्वयं को पेशवा घोषित करते हैं।



Date	Event
June – July 1857	• Lucknow and Cawnpore : The revolt spreads across North India, with major uprisings in Lucknow and Cawnpore (Kanpur). • लखनऊ और कानपुर : विद्रोह पूरे उत्तर भारत में फैल जाता है, और लखनऊ व कानपुर (कानपुर) में बड़े पैमाने पर उठाव होते हैं।
August 1857	• Gwalior : Rani Laxmibai of Jhansi and Tatya Tope attempt to capture Gwalior from the British • ग्वालियर : झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे ब्रिटिशों से ग्वालियर छीनने का प्रयास करते हैं।
September 1857	• Delhi Siege : The British Begin a siege of Delhi, aiming to regain control after the sepoy-led rebellion. • दिल्ली की घेराबंदी : सिपाही विद्रोह के बाद नियंत्रण फिर से प्राप्त करने के उद्देश्य से ब्रिटिश दिल्ली की घेराबंदी शुरू करते हैं।





Date	Event
March 1858	• Revolt suppressed : The British, under General Havelock, retake Cawnpore (Kanpur), and the revolt is crushed in most regions • विद्रोह का दमन : जनरल हैवलॉक के नेतृत्व में ब्रिटिशों ने कानपुर (Cawnpore) पर पुनः अधिकार कर लिया और अधिकांश क्षेत्रों में विद्रोह कुचल दिया गया।
1858	• End of Revolt : the British officially suppress the revolt, and the East India Company is replaced by direct Crown Rule. • विद्रोह का अंत : ब्रिटिशों ने आधिकारिक रूप से विद्रोह को दबा दिया और ईस्ट इंडिया कंपनी की जगह प्रत्यक्ष ब्रिटिश क्राउन शासन स्थापित किया गया।



Major Centres & Leaders

Region / Centre of Revolt	Revolutionary Leaders	British Officers Who Suppressed
Delhi	Bahadur Shah Zafar, Bakht Khan	General Nicholson, General Wilson
Kanpur (Cawnpore)	Nana Saheb, Tantia Tope	General Havelock, General Colin Campbell
Lucknow	Begum Hazrat Mahal	Sir Colin Campbell (Lord Clyde)
Jhansi	Rani Lakshmibai	General Hugh Rose
Gwalior	Rani Lakshmibai, Tantia Tope	General Hugh Rose
Arrah (Bihar)	Kunwar Singh	Major Eyre, Captain Dunbar
Bareilly	Khan Bahadur Khan	General Colin Campbell
Faizabad / Awadh	Maulvi Ahmadullah Shah	Various British officers



Why the Revolt failed विद्रोह क्यों विफल हुआ

- **Lack of central leadership and planning./** सेंट्रल लीडरशिप और प्लानिंग की कमी।
- **Limited to North & Central India; south & Punjab remained quiet./** नॉर्थ और सेंट्रल इंडिया तक लिमिटेड; साउथ और पंजाब शांत रहे।
- **Superior British weapons, communication & discipline./** बेहतर ब्रिटिश हथियार, कम्युनिकेशन और डिसिप्लिन।
- **Many Princely States (Hyderabad, Kashmir, Scindia of Gwalior) helped British./** कई रियासतों (हैदराबाद, कश्मीर, ग्वालियर के सिंधिया) ने ब्रिटिश की मदद की।
- **No single national ideology./** कोई एक नेशनल आइडियोलॉजी नहीं।
- **Absence of Support from Educated Indians./** पढ़े-लिखे भारतीयों से सपोर्ट न मिलना।
- **Use of Brutal Tactics by the British./** ब्रिटिश द्वारा क्रूर रणनीति का इस्तेमाल।



Impact of Revolt विद्रोह का प्रभाव

(A) Political Impact / पॉलिटिकल असर :

- **End of East India Company rule./** ईस्ट इंडिया कंपनी के राज का अंत।
- **“The Doctrine Of Lapse” was abruptly discontinued after GOI Act 1858./** भारत सरकार अधिनियम 1858 के बाद “राज्य हड़प नीति” अचानक बंद कर दिया गया।
- **India placed under the direct control of the British Crown (Act of 1858)./ भारत को ब्रिटिश क्राउन के सीधे कंट्रोल में रखा गया (एक्ट ऑफ 1858)।**
- **Queen Victoria’s Proclamation(read by Lord Canning) promised non- interference in religion./** क्वीन विक्टोरिया के प्रोक्लेमेशन (लॉर्ड कैनिंग द्वारा पढ़ा गया) में धर्म में दखल न देने का वादा किया गया।



(B) Administrative Impact / एडमिनिस्ट्रेटिव असर:

- **Reorganization of Army / आर्मी का रीऑर्गेनाइज़ेशन :**
 - **More British soldiers recruited/** ज़्यादा ब्रिटिश सैनिकों की भर्ती हुई
 - **Indians kept away from important positions/** इंडियन्स को ज़रूरी पोस्ट से दूर रखा गया
- **Racial divide in administrative widened./** एडमिनिस्ट्रेटिव में नस्लीय भेदभाव बढ़ा।

(C) Social Impact / सोशल असर :

- **British became cautious in introducing reforms./** ब्रिटिश लोग सुधार लाने में सावधान हो गए।
- **More respect shown to princes & landlords./** राजकुमारों और ज़मींदारों को ज़्यादा इज़्ज़त दी गई।

(D) Nationalist Impact / नेशनलिस्ट असर :

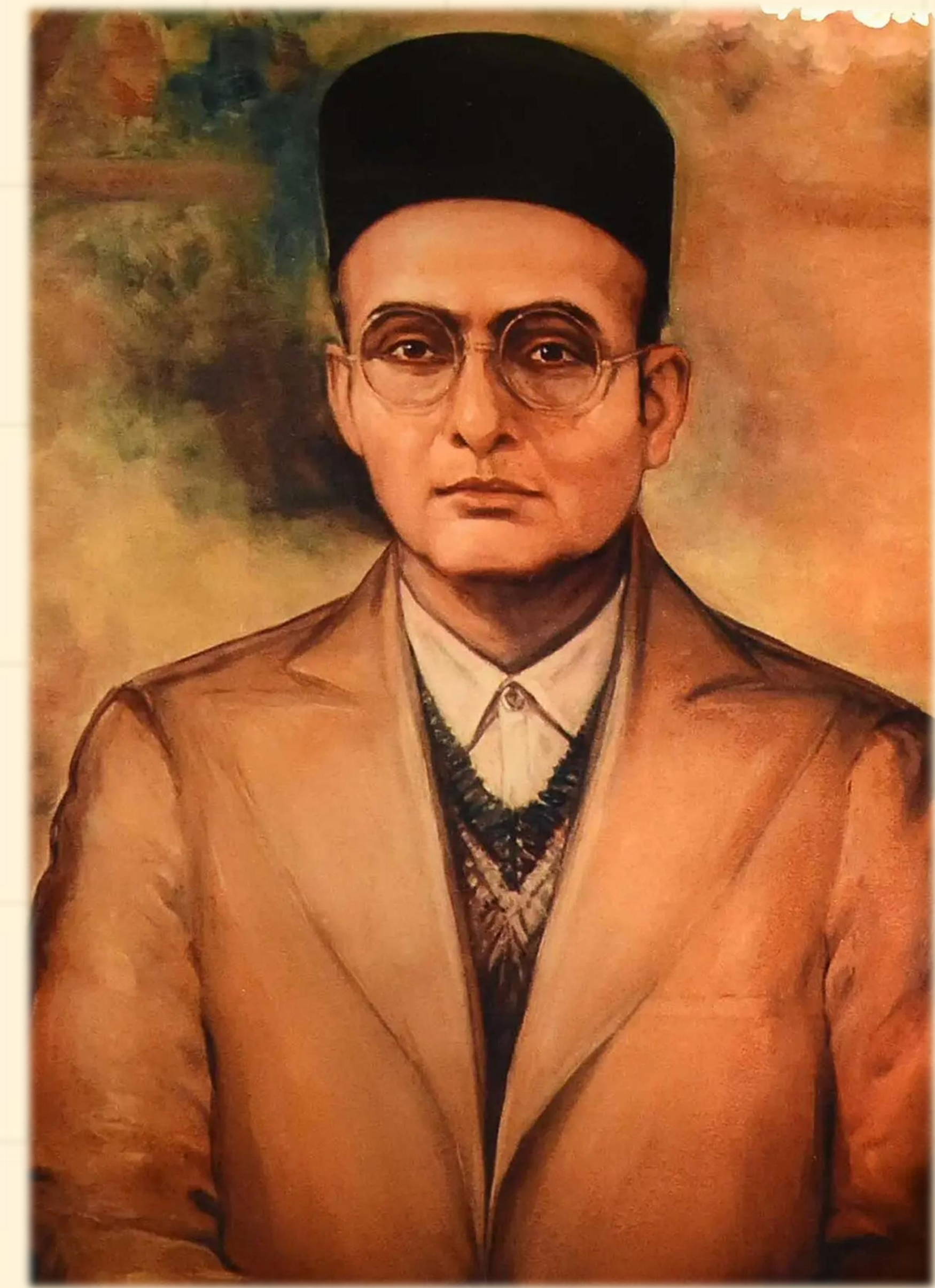
- **First time people from different sections fought together./** पहली बार अलग-अलग तबके के लोग एक साथ लड़े।
- **Inspired future movements, INC (1885), other revolts./** आगे के आंदोलनों INC (1885), दूसरे विद्रोहों को प्रेरणा मिली।



Nature of the Revolt – Historians' views

विद्रोह की प्रकृति – इतिहासकारों के विचार

- **Nationalist view (Savarkar) :** First war of Independence.
- **राष्ट्रवादी नज़रिया (सावरकर):** पहला आज़ादी का युद्ध।
- **British View :** Sepoy Mutiny, limited uprising.
- **ब्रिटिश नज़रिया:** सिपाही विद्रोह, सीमित विद्रोह।
- **Marxist View :** Feudal revolt of dispossessed rulers and peasants.
- **मार्क्सवादी नज़रिया:** बेदखल शासकों और किसानों का सामंती विद्रोह।



Romesh Chandra Majumdar, a prominent historian, famously argued that the 1857 revolt was “neither the first, nor a national war of independence.”



THANK

YOU

